

Date

22/04/2020

Subject - Sst.,

Topic - CENSUS

(जनगणना)

(Ch - 6)

D.El.Ed. 4th Sem.

भारत में जनसंख्या की संरचना ही जनगणना का आधार है। जनसंख्या की संरचना से अर्थ - जनसंख्या के ढाँचे से है। अर्थात् जन की संख्या, उसकी आयु, लिंग जाति धर्म, भाषा, साक्षरता, जनसंख्या वृद्धि की प्रवृत्ति, घनत्व व्यवसाय, ग्रामीण एवं नगरीय अनुपात आदि से है।

History of (CENSUS)

जनगणना प्राचीन काल से होती जा रही है।

- (1) रोमन साम्राज्य का प्रमाण 'सेंटेनरियल सर्वे' के रूप में
- (2) 1500 ई० पू० मुसा द्वारा इजराइल के निवासियों की जनगणना की गई।
- (3) कोटिल्य कृति अर्चशास्त्र (321-296 ई० पू०) में आर्थिक गतिविधियों के आंकलन हेतु जनगणना के आंकड़ों का उपयोग किया गया।
- (4) अबुल फजल द्वारा रचित 'आइने अकबरी' (1595-96) में भी जनगणना का उल्लेख मिलता है।
- (5) आधुनिक एवं व्यवस्थित जनगणना सर्वप्रथम सन 1749 में स्वीडन द्वारा कराई गई।

P.T.O

(6) दशकीय जनगणना का कार्य 1890 में सर्वप्रथम अमेरिका में कराया गया।

(7) 1801 में इंग्लैंड में जनगणना कराई।

(8) * ब्रिटिश भारत में पहली जनगणना सन 1872 में लार्ड मैथो के कार्यकाल में हुई थी।

(9) 1881 में लार्ड रिपन के समय में दशकीय जनगणना का क्रमवार आकलन प्रारम्भ हुआ। जो आज भी जारी है।

1872 से अब तक स्वतन्त्र भारत में 15 जनगणना हो चुकी हैं।

वर्ष 2011 की जनगणना भारत की 15 वीं जनगणना है।

स्वतन्त्र भारत की यह सातवीं जनगणना है 21 वीं शताब्दी की दूसरी जनगणना है।

जनगणना सम्बन्धी शब्दावली

जनगणना सम्बन्धी "शब्दावली" निम्नलिखित है -

1. सन्तानोत्पादकता एवं प्रजननशीलता :- सन्तानोत्पादकता से तात्पर्य किसी स्त्री में बच्चों को जन्म देने की शक्ति से है, जबकि प्रजननशीलता से तात्पर्य किसी स्त्री या उनके समूह के द्वारा किसी निश्चित समयावधि में कुल सजीव जन्मों बच्चों की वास्तविक संख्या से है।

P.T.O

(2) जनसंख्या घनत्व :- प्रतिवर्ग Km. में रहने वालों की संख्या -

$$\text{जनसंख्या घनत्व} = \frac{\text{स्थान विशेष की कुल जनसंख्या}}{\text{स्थान विशेष का कुल क्षेत्रफल}}$$

(3) साक्षरता - दर :-

$$\text{साक्षरता दर} = \frac{\text{साक्षरों की संख्या}}{7 + \text{आधुनिक जनसंख्या}} \times 100$$

1951, 1961, 1971, की जनगणना में 5 वर्ष या ऊपर की आयु, 1981, 1991, 2001, 2011 की जनगणना में 7 वर्ष या (7+) को शामिल किया गया है।

(4) लिंग अनुपात :- प्रति 1000 पुरुष पर स्त्रियों की संख्या

$$\text{लिंग अनुपात} = \frac{\text{कुल स्त्रियों की संख्या}}{\text{कुल पुरुषों की संख्या}} \times 1000$$

(5) शिशु लिंगानुपात :- 0-6 आयु वर्ग की जनसंख्या में प्रति 1000

बालकों की तुलना में उसी आयु वर्ग में (0-6) बालिकाओं की संख्या को शिशु लिंगानुपात (CSR) कहा जाता है।

$$\text{शिशु लिंगानुपात} = \frac{\text{बालिकाओं की संख्या (0-6)}}{\text{बालकों की संख्या (0-6)}} \times 1000$$

(6) दशकीय वृद्धि दर :- 10 वर्षों के मध्य जनसंख्या में हुई प्रतिशत वृद्धि -

$$\text{दशकीय जनसंख्या वृद्धि दर} = \frac{\text{वर्तमान जनसंख्या} - \text{पूर्व जनसंख्या}}{\text{पूर्व जनसंख्या}} \times 100$$

Continued - - -

Nidhi Tyagi
22/04/2020